अभ्यास पत्रक

पाठ – कारतूस

नाम :- ………… कक्षा :- ………… अवधि :- ………….. अनुक्रमांक :- …….. प्राप्तांक :- …….

1. गद्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"कर्नल – (हँसते हुए) पकड़ लिया मैंने तुझे, बहादुर!

सवार – (हँसता है) लेकिन पकड़कर क्या करोगे, साहब?

तुम तो अपना एक कारतूस भी बचा न सके।

कर्नल – दीवार हमगोश दारद…

सवार – दीवारें तो अब भी हैं, लेकिन कान अब मेरे पास हैं नहीं।"

1. कर्नल ने सवार को पहचानकर क्या कहा और सवार ने क्या उत्तर दिया?

उत्तर - ……………………………………………………………………………………………

……………………………………………………………………………………………………

2. "दीवार हमगोश दारद" का प्रयोग इस संदर्भ में क्या अर्थ दर्शाता है?

उत्तर - ……………………………………………………………………………………………

……………………………………………………………………………………………………

3. सवार (वज़ीर अली) की इन पंक्तियों से उसके कौन से गुण सामने आते हैं?

उत्तर - ……………………………………………………………………………………………

……………………………………………………………………………………………………

2. Assertion-Reason आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** वज़ीर अली ने अपने अंत समय में भी आत्मसम्मान नहीं खोया।

   कारण: वह हार के बाद भी कर्नल से डर गया था।

   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत

   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

5. **कथन:** कर्नल ने अंत में वज़ीर अली की वीरता की प्रशंसा की।

   कारण: वह उसे अपना सैनिक बनाना चाहता था।

   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत

   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

3. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. "कारतूस" नाटक का प्रमुख भाव क्या है?

   (क) हास्य (ख) देशभक्ति (ग) प्रेम (घ) भय

7. वज़ीर अली का मूल उद्देश्य क्या था?

   (क) सत्ता प्राप्त करना (ख) अंग्रेज़ों से बदला लेना

   (ग) देश को स्वतंत्र कराना (घ) जनता में डर फैलाना

8. वज़ीर अली के भेष में कर्नल के शिविर में कौन आया?

   (क) साधु (ख) व्यापारी (ग) नवाब (घ) सवार

9. 'कारतूस' का प्रतीकात्मक अर्थ क्या है?

   (क) शक्ति (ख) क्रांति (ग) मृत्यु (घ) आत्मबल

egyanarchive

10. वज़ीर अली ने किसे क्षमा कर दिया?

(क) धोखेबाज़ मित्र (ख) अंग्रेज सिपाही (ग) बनारस का वकील (घ) ग़द्दार सआदत अली

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. वज़ीर अली ने जंगलों में रहकर कैसा जीवन बिताया?

उत्तर - .....

.....

.....

12. 'तुम तो अपना एक कारतूस भी बचा न सके' – इस पंक्ति से वज़ीर अली क्या कहना चाहता है?

उत्तर - .....

.....

.....

13. कर्नल का वज़ीर अली के प्रति व्यवहार अंत में क्यों बदल गया?

उत्तर - .....

.....

.....

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक) *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. नाटक 'कारतूस' के आधार पर बताइए कि वज़ीर अली एक क्रांतिकारी के साथ-साथ एक चरित्रवान व्यक्ति भी था।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक) *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. "सच्चा देशभक्त केवल विद्रोही नहीं होता, वह चरित्र और आत्मबल का भी प्रतीक होता है" – इस कथन की पुष्टि पाठ 'कारतूस' के माध्यम से कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

eGyanarchive

उत्तर कुंजी

1. कर्नल ने उसे पहचानते हुए कहा – "पकड़ लिया मैंने तुझे, बहादुर!" वज़ीर अली ने उत्तर दिया – "लेकिन पकड़कर क्या करोगे, साहब? तुम तो अपना एक कारतूस भी बचा न सके।"

2. यह मुहावरा 'दीवारों के भी कान होते हैं' के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है – यानी गोपनीय बातों पर भी नज़र रहती है।

3. उसकी चतुराई, आत्मबल, विनोदप्रियता और आत्मविश्वास प्रकट होते हैं।

4. (ग)

5. (ग)

6. (ख)

7. (ग)

8. (घ)

9. (ब)

10. (क)

11. वज़ीर अली ने जंगलों में लगातार वर्षों तक बिना पकड़े क्रांतिकारी जीवन जिया। वह टुकड़ियों में युद्ध करता रहा और अंग्रेज़ों से संघर्ष जारी रखा।

12. वह यह इंगित करता है कि उसने न केवल चतुराई से कारतूस लिए, बल्कि पूरी योजना के साथ अंग्रेज़ों को मूर्ख बनाकर भाग निकला।

13. कर्नल को वज़ीर अली की निर्भीकता, वीरता और बुद्धिमत्ता का आदर हो गया, इसलिए वह उसकी बहादुरी का प्रशंसक बन गया।

14. वज़ीर अली को हम केवल एक विद्रोही नहीं कह सकते, वह उच्च चरित्र और दृढ़ आत्मबल वाला व्यक्ति था। उसने सत्ता से हटने के बाद भी हार नहीं मानी। वह बनारस में हत्या कर भाग गया, जंगलों में रहा, पर अपने आदर्श नहीं छोड़े। कर्नल के सामने जाकर उसने स्वयं को पहचाना, फिर भी उसे क्षति नहीं पहुँचाई। उसने कर्नल को अपमानित नहीं किया बल्कि अपनी बात हँसी में कही और कारतूस लेकर चला गया। यह दिखाता है कि वज़ीर अली न केवल वीर और रणनीतिकार था, बल्कि एक नैतिक और चरित्रवान व्यक्ति भी था।

15. वज़ीर अली का चरित्र यह सिद्ध करता है कि देशभक्ति केवल लड़ना या विद्रोह करना नहीं, बल्कि साहस, स्वाभिमान और चरित्र की सच्ची मिसाल पेश करना है। उसने अंग्रेज़ों के विरुद्ध विद्रोह किया, लेकिन कहीं भी अनुशासन और नैतिकता नहीं छोड़ी। वह कर्नल से कारतूस लेकर भागा लेकिन उसे हानि नहीं पहुँचाई। यह उसका आत्मबल और मानवता थी। वह वर्षों जंगलों में संघर्ष करता रहा लेकिन कभी अपने उद्देश्य से भटका नहीं। अंत में भी जब कर्नल उसे पहचानता है, तो वह विनम्रता से कहता है – "तुम तो अपना एक कारतूस भी बचा न सके।" उसकी इस शैली में आत्मविश्वास और चरित्र की दृढ़ता झलकती है। इसलिए वज़ीर अली एक आदर्श क्रांतिकारी है – जो केवल विद्रोही नहीं, सच्चा देशभक्त और आदर्श मानव भी है।